भारत की जलवायु, वनस्पति और वन्य जीवन इसकी पारिस्थितिक विविधता को दर्शाते हैं और इसे वैश्विक जैव विविधता संरक्षण और अनुसंधान प्रयासों में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाते हैं।

भारत अपने विशाल भौगोलिक विस्तार और स्थलाकृतिक विविधताओं के कारण विविध जलवायु, समृद्ध वनस्पति और विविध वन्य जीवन के लिए जाना जाता है। यहां भारत के विभिन्न क्षेत्रों की जलवायु, वनस्पति और वन्य जीवन का अवलोकन दिया गया है:

जलवायु:

भारत में जलवायु की एक विस्तृत श्रृंखला है, दक्षिण में उष्णकटिबंधीय से लेकर उत्तर में अल्पाइन तक। देश में चार प्राथमिक मौसम होते हैं: सर्दी, गर्मी, मानसून और मानसून के बाद। जलवायु क्षेत्रों में शामिल हैं:

1. उष्णकटिबंधीय गीला: पश्चिमी तट और उत्तरपूर्वी भारत में पाया जाने वाला यह क्षेत्र उच्च तापमान और भारी वर्षा का अनुभव करता है, खासकर मानसून के मौसम के दौरान।
2. उष्णकटिबंधीय शुष्क: पश्चिमी और मध्य भारत के क्षेत्रों में वर्ष के अधिकांश समय गर्म, शुष्क मौसम रहता है, जिसमें एक अलग गीला मानसून का मौसम होता है।
3. शुष्क: थार रेगिस्तान सहित भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में बहुत कम वर्षा के साथ शुष्क जलवायु है।
4. शीतोष्ण: उत्तरी भारत, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में ठंडी सर्दियाँ और हल्की गर्मी का अनुभव होता है। अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होती है।
5. उपोष्णकटिबंधीय: यह जलवायु क्षेत्र दिल्ली सहित उत्तरी मैदानी इलाकों में गर्म ग्रीष्मकाल और ठंडी सर्दियों के साथ पाया जाता है।
6. अल्पाइन: हिमालय के ऊंचे इलाकों में सर्दियों में शून्य से नीचे तापमान और गर्मियों में ठंडी हवा का अनुभव होता है।

वनस्पति:

भारत की विविध जलवायु और भूगोल के कारण विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ उत्पन्न हुई हैं:

1. ऊष्णकटिबंधीय वर्षावन: पश्चिमी घाट और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों में पाए जाने वाले, ये क्षेत्र हरे-भरे हैं और विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों की प्रजातियों का घर हैं।
2. पर्णपाती वन: ये वन मध्य और दक्षिणी भारत में प्रचलित हैं। वे शुष्क मौसम में पत्तियां गिरा देते हैं और उनमें सागौन, साल और बांस शामिल हैं।
3. कांटेदार जंगल और झाड़ियाँ: राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में पाए जाने वाले इन क्षेत्रों में बबूल और कैक्टि जैसी कांटेदार वनस्पतियाँ होती हैं।
4. टुंड्रा: उच्च हिमालयी क्षेत्रों में काई, लाइकेन और घास जैसी अल्पाइन वनस्पति देखी जाती है।
5. मैंग्रोव: तटीय क्षेत्रों, विशेष रूप से सुंदरबन डेल्टा में, मैंग्रोव वन हैं जो खारे परिस्थितियों के अनुकूल होते हैं।
6. रेगिस्तानी वनस्पति: थार रेगिस्तान में ज़ेरोफाइट्स और सक्युलेंट जैसे सूखा प्रतिरोधी पौधे हैं।
7. घास के मैदान: दक्कन के पठार जैसे क्षेत्रों में हाथी घास और ब्लूबंच व्हीटग्रास सहित घास वाले सवाना हैं।
8. आर्द्रभूमियाँ: भारत में विभिन्न आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र हैं, जिनमें दलदल, दलदल और झीलें शामिल हैं।

वन्य जीवन:

भारत अपने समृद्ध और विविध वन्य जीवन के लिए जाना जाता है, जिसमें स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों और बहुत कुछ की कई प्रजातियाँ हैं। प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों में शामिल हैं:

1. जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क: उत्तराखंड में स्थित, यह बाघों की आबादी के लिए जाना जाता है।
2. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान: बंगाल बाघों का घर, यह राजस्थान में है।
3. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान: असम में स्थित यह अपने एक सींग वाले गैंडे के लिए प्रसिद्ध है।
4. सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान: पश्चिम बंगाल में, यह अपने बंगाल टाइगर्स और मैंग्रोव वनों के लिए जाना जाता है।
5. गिर वन राष्ट्रीय उद्यान: गुजरात में यह एशियाई शेर की आखिरी शरणस्थली है।
6. पेरियार टाइगर रिजर्व: केरल में पाया जाने वाला यह बाघ, हाथियों और विविध वनस्पतियों के लिए जाना जाता है।
7. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान: राजस्थान में, यह एक प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य है।
8. पश्चिमी और पूर्वी घाट: ये पर्वत श्रृंखलाएँ अनेक स्थानिक प्रजातियों के साथ जैव विविधता के हॉटस्पॉट हैं।

LEARNING MANTRAS